12 सालों के सफर में हजारों युवाओं के रोजगार का जरिया बना आईलीड्स

शुरू से ही सपना था कि एक दिन अपनी फर्म होगी और उसके जरिए ट्रेंड एजुकेटेड बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराया जाएगा. सपना भी पूरा हुआ. यही वजह है कि आज अपने अलावा 1200 बेरोजगारों को रोजगार मिल पा रहा है और वे खुश भी हैं. बात हो रही है कि आईलीड्स के फाउंडर अंकुर सिन्हा की. अंकुर ने अपने सपनों के मुताबिक उत्तराखंड में पहली बार आईलीड्स स्टार्टअप की स्थापना की. फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा.

प्रोफाइल

अंकुर सिन्हा

पिता : संतोष कुमार सिन्हा
माता : प्रतिमा सिन्हा
पत्नी अनुभा सिन्हा
भाई : अंकित सिन्हा

हॉबीज

स्पोर्ट्स: क्रिकेट व फुटबाल
म्यूजिक: ओल्ड सॉन्ग
भोजन: मैक्सिकन फूड

वर्ष 2010 में शुरुआत

अंकुर सिन्हा के मुताबिक आईलीड्स ऑग्जीलियरी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड एक ऐसा स्टार्टअप बन गया है, जो अपनी अलग पहचान बनाकर युवाओं के लिए रोल मॉडल भी बन गया है. आईलीड्स के फाउंडर इसी आईलीड्स के जरिए न केवल रोजगार दे रहा है, बल्कि अपनी पहचान भी बना रहा है. दावा है कि आईलीड्स सबसे तेजी से विकसित हो रहा है और बीपीओ, केपीओ, आईटीईएस में से एक है. वर्ष 2010 में इसकी शुरुआत हुई, जो डेटा, कॉल प्रोसेसिंग कार्यों में अधिकतम कुशल समूहों में से एक बनने के लिए समय के साथ प्रभावी ढंग से विकसित हुआ है.

भविष्य में रोजगार सृजन

अपने 12 वर्षों के शानदार सफर, एक्सपीरियंसेस व डाटा प्रोसेसिंग कार्य के साथ अनुभवी वर्कर्स के जरिए कस्टमर्स को सटिस्फाइड जानकारी पहुंचायी जाती है. ग्राहकों की ओर से मांगी गई इंफॉर्मेशन से ग्राहकों को संतुष्ट करना ही आईलीड्स का उद्देश्य है. फाउंडर अंकुर कहते हैं कि देश का हर युवा अपनी एक अलग पहचान बनाए रखने व इसके लिए वह लगातार प्रयासरत हैं. करीब बारह सौ लोगों की टीम के साथ अंकुर कहते हैं कि उनका प्रयास है कि वे भविष्य में भी ऐसे ही युवाओं के लिए रोजगार का सृजन करते रहें.

पहले सामाजिक कार्य

अंकुर सिन्हा एक कंपनी के फाउंडर ही नहीं, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी वे पीछे नहीं रहते हैं. उनकी सामाजिक दायित्वों में भी जिम्मेदारी कम नहीं रही है. जरूरत पड़ने पर वे जरूरमंदों के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं. अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आईलीड्स के पास प्रशासन से जुड़ी एक समर्पित जिम्मेदारी भी मिलने वाली है. यह जिम्मेदारी सामाजिक मुद्दों का ध्यान रखती है और इस क्षेत्र में जहां भी आवश्यक हो, सहायता प्रदान करती है.

वैक्सीनेशन अभियान

आईलीड्स में हर कर्मचारी को वैक्सीनेशन कराना बेहद जरूरी है. यही कारण है कि आईलीड्स में फर्स्ट व सेकेंड वैक्सीनेशन की एक हजार से ज्यादा डोज पूरे हो गए हैं. इसके अलावा वर्ष 2022 के फर्स्ट हॉफ तक सभी कार्मिकों के लिए तीसरी बुस्टर डोज की योजना भी निर्धारित की गई है.

युवाओं के लिए मैसेज

अंकुर सिन्हा का कहना है कि आईलीड्स आपको तेजी से बढ़ते व्यवसाय का हिस्सा बनने की अनुमति देता है. चाहे आप कहीं से भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाएं. मौका आने पर आपको हमेशा एक बेहतर अवसर के लिए माना जाएगा. आईलीड्स ने अपने सफर में कई पुरस्कार अपने नाम किए. स्टार्टअप इंडिया और स्टार्टअप उत्तराखंड दोनों द्वारा देहरादून क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ती कंपनियों में से एक के रूप में सफलता हासिल की.